इतिहास (History)

उदय सिंह द्वितीय (1540-1572 ई.)
Udai Singh II (1540-1572 AD.)

जन्म (Birth)	– 4 अगस्त, 1522 ई. को चित्तौड़गढ़ में
मृत्यु (Died)	– 28 फरवरी, 1572 ई. को गोगुन्दा में
वंश (Dynasty)	– सिसोदिया राजपूत
माता (Mother)	– रानी कर्णावती
पिता (Father)	– राणासांगा
सेनापति (Commander)	– जयमल राठौर और वीर फत्ता
राज्याभिषेक (Coronation)	– 1540 ई. में चित्तौड़गढ़
राजधानी (Capital)	– चित्तौड़ और उदयपुर

☞ **(Udai Singh founded the city of Udaipur)**
उदयसिंह ने उदयपुर शहर की स्थापना की।

☞ **Udai Singh's first wife was Jai Banta Bhai from whom Maharana Pratap was born.**
उदय सिंह की पहली पत्नी जयवंताबाई थी जिनसे महाराणा प्रताप पैदा हुए।

☞ **Udai Singh's second wife was Sajja Bai Solanki from whom Shakti Singh and Vikram Singh was born.**
उदय सिंह की दूसरी पत्नी का नाम सज्जा बाई सोलंकी था जिनसे शक्ति सिंह और विक्रम सिंह पैदा हुए।

☞ **Udai Singh had another wife Dheerbai from whom Jagmal Singh, Chand Kanwar and Man Kanwar was born.**
उदय सिंह की एक अन्य पत्नी धीरबाई थी जिनसे जगमाल सिंह, चांद कनवर तथा मन कनवर पैदा हुए।

महाराणा प्रताप सिंह (1572-1597 ई.)
Maharana Pratap Singh (1572-1597 AD.)

जन्म (Birth)	– 9 मई, 1540 ई. को कुम्भलगढ़ में
मृत्यु (Died)	– 19 जनवरी, 1597 ई. को चावड में
वंश (Dynasty)	– सिसोदिया राजपूत
माता (Mother)	– महारानी जयबन्ता बाई
पिता (Father)	– उदय सिंह द्वितीय
मंत्री/दोस्त/सलाहकार (Minister/Friend/ Advisor)	– भामाशाह
राजधानी (Capital)	– कुम्भलगढ़, चावड
राज्याभिषेक (coronation)	– गोगुन्दा नामक स्थान पर
पुत्र (Son)	– अमर सिंह, कुवर दुर्जन सिंह, कुवर पूरनमल
उत्तराधिकारी (Successor)	– अमर सिंह
घोड़ा (Horse)	– चेतक (नीले रंग का)
हाथी (Elephant)	– रामप्रसाद

महाराणा प्रताप का युद्ध में साथ देने वाले लोग
(People who supported Maharana Pratap in the war)

☞ महाराणा प्रताप

☞ राजा पूँजा भील (मेवाड में भोमट का राजा)

☞ हकीम खान सूर (**1000** की सेना बिहार से लेकर आये)

☞ भामाशाह (आर्थिक मदद की)

☞ झाला मान/झाला बिद्दा (ये महाराणा प्रताप जैसे ही कदकाठी में थे)

☞ मेवाड़ के अंर्तगत उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौडगढ़ का क्षेत्र आता है।

हल्दीघाटी का युद्ध/खामनौर का युद्ध **(18 June 1576** ई.**)**

मान सिंह + ऑसफ खान **V/S** महाराणा प्रताप + हकीम खान सूर + भीलों की सेना

☞ मेवाड़, बाँसवाड़ा, डुंगरपुर, प्रतापगढ़ में अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की।

गोरिल्ला युद्ध प्रणाली/छापामार युद्ध प्रणाली

☞ महाराणा प्रताप – मलिक अंबर – शिवाजी – बाजीराव प्रथम

नोटः चेतक की समाधि हल्दी घाटी गाँव में है।